अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। - www.onlinedoctranslator.com

ज़िंदगी ?

प्रश्न पूछा=प्रश्न का उत्तर दिया

लॉ गिवर मैनिफेस्ट द्वारा

Welcome to the Wonderful World of Questions & Answers

सभी समाधान अलाभकारी और अहिंसक हैं!

1 भगवानदो ब्रह्मांड बनाए: भौतिक ब्रह्मांड और आध्यात्मिक ब्रह्मांड!भौतिक ब्रह्मांड में हर चीज का आरंभ और अंत होता है!**1 भगवान**सभी जीवित चीजों के संपर्क में रहना चाहता था।सभी जीवित चीजों को आध्यात्मिक, 'शाश्वत आत्मा' का एक टुकड़ा दिया गया था।

मेरा अस्तित्व क्यों है?

एक आत्मा(आपका अपना)आध्यात्मिक ब्रह्मांड से इसका निर्देश मिलता है(से**1 भगवान**) जीवन क्या अनुभव करता है(भावनात्मक, शारीरिक)यह भौतिक ब्रह्मांड में होना है।निर्देश अस्पष्ट हैं जैसा कि अपूर्ण ब्रह्मांड से अपेक्षित है। अपने मिशन को पूरा करने के लिए आत्मा को लचीलापन देना। अपने मिशन को पूरा करने के लिए एक आत्मा को एक भौतिक रूप की आवश्यकता होती है(आपका शरीर). आपके अस्तित्व का कारण आपकी आत्मा को अपने मिशन को पूरा करने के लिए आवश्यक 'जीवन के अनुभव' प्राप्त करने में मदद करना है।

जीने का मकसद?

आपके शरीर का अस्तित्व 'भौतिक ब्रह्मांड के नियमों' के अनुसार होना चाहिए(आरपीयू). गर्भाधान के बाद आपके शरीर को जीवित रहना होता है(नियम 1 आरपीयू).

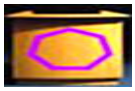

आपको ज्ञान प्राप्त करना, प्राप्त करना, लागू करना और आगे बढ़ाना है(नियम 2 आरपीयू).जब तक आप रहते हैं।

आपको अपने शरीर को स्वस्थ रखने की आवश्यकता है(नियम 3 आरपीयू).स्वस्थ रहने के लिए साफ-सफाई, संतुलित आहार और रोजाना व्यायाम की जरूरत होती है।आपकी आत्मा को पोषण की आवश्यकता है, दैनिक प्रार्थना इसे 1 के संपर्क में रखती है**ईश्वर**.

तो एक आत्मा के पास एक शरीर हो सकता है, वयस्क शरीरों की आवश्यकता होती है मेट और गुणा करो(नियम 4 आरपीयू).आपको एक परिवार शुरू करने की आवश्यकता है, एक 'पवित्र विवाह' अनुबंध दर्ज करें।

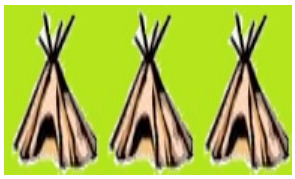

सामाजिककरण करने वाले परिवार एक समूह बन जाते हैं।एक बढ़ता हुआ समूह एक समुदाय बन जाता है(शायर).समुदाय एक हाइव बनाते हैं (प्रांत) (नियम 5 RPU).जिसके बचने की बेहतर संभावना है।

एक बढ़ता हुआ छत्ता(प्रांत)झुंड बनाकर फैलता है(नियम 6 आरपीयू).प्रांत नए क्षेत्रों की खोज करता है, उपनिवेश करता है(ग्रह, सौर मंडल,...).यह एक जीवित रहना चाहिए!

भौतिक ब्रह्मांड में हर चीज का आरंभ और अंत होता है(नियम 7 आरपीयू), जैसा आपका शरीर करता है।आपकी आत्मा अपने जीवन के अनुभवों के मिशन को पूरा करती है। एक आत्मा कितना जीवन अनुभव करती है, यह तय करती है कि एक व्यक्ति कितने समय तक जीवित रहता है। जब भी जीवन के सारे अनुभव पूरे हो जाते हैं तो माना जाता है कि शरीर मर जाएगा। इसलिए लोग अलग-अलग उम्र में मरते हैं।

आपका शरीर मरता है**अंतिम संस्कार**शुद्ध करना(स्वास्थ्य संबंधी खतरों को दूर करें)और आत्मा को मुक्त करने के लिए।रिपोर्ट करने के लिए आत्मा आध्यात्मिक ब्रह्मांड में लौटती है।

जीवन के अनुभव ?

जीवन के अनुभव वे घटनाएँ हैं जिन्हें आप अपने मरने के दिन या स्मृति हानि तक याद रखते हैं।ये घटनाएं नाटकीय रूप से खुश हैं(सपना सच होना,..)या दुखी(गंभीर दुर्घटना,..), चरित्र निर्माण। कस्टोडियन गार्जियन अपने जीवन के अनुभवों को रिकॉर्ड करते हैं और उन्हें आगे बढ़ाते हैं: ज्ञान निरंतरता!

कुछ लोग कम उम्र में क्यों मर जाते हैं?आपकी आत्मा का जीवन अनुभव मिशन प्रारंभिक चरण में पूरा हो सकता है(शैशवावस्था)अस्तित्व का। जब भी कोई जीवन अनुभव मिशन पूरा होता है तो शरीर को मरना होता है।इसलिए लोग अलग-अलग उम्र में मरते हैं।

टिप्पणी!

बीमा नहीं है, जीवित समर्थन, क्षमा, ..बीमा व्यक्ति को दुर्भाग्य के पूर्ण प्रभाव का अनुभव करने से रोकता है। लाइव समर्थन नियोजित अंत से परे उत्तरजीविता का विस्तार करता है। क्षमा जवाबदेही को रद्द कर देती है। बीमा, लाइव समर्थन और क्षमा के परिणामस्वरूप जीवन के असफल अनुभव होते हैं। आत्मा के मिशन को असफल बनाना।**1 भगवान**परेशान है!

जीवन पवित्र है!केवल**1 भगवान**इसे समाप्त करने का अधिकार है! कोई व्यक्ति, पंथ, धर्म, संगठन या सरकार नहीं!मानव जीवन को समाप्त करने का अधिकार है!